

ॐ नमः श्री वज्र सत्त्वाय नमः ॥ अथ माहावत्स्यात्र नमा
ह ॥ ॐ नमः ॥ यंत्र गव्य साधना ॥ गन स पूजा ॥ योथमः
गा ॥ ॐ नमः ॥ ॥ त्रिकानन मुला काल ॥ खर्ज योष धर्मां कृम
कल्यायनी वली हासुं पूजा कर्म सखा पथ ॥ ॥ अकार
नयाय ॥ ॥ ॐ आरुध वजां कृम ॥ ॐ वजाया सवीज नापय कृ

॥ ॐ वज्र महाद्वीज वन्धवं ॥ ॐ वजां धर्म वीज प्रवं म्पहा ॥ ॥
ॐ मुपुली लिह वज्र सहा ॥ ॥ वज्र वली थीय ॥ ॐ कीं ४ आचमनं
पुली रु सहा ॥ नीलाजनयाय ॥ ॥ ॐ कर्मायं काल न वायु मलु
ली नैका नन ना गनी मलु ली कर्मायनी हिमू गु वृठ वृठी यांभी
कय नहाजनी ॥ कर्मायनी पूनी ॥ ॐ ॐ आंजी खं रु ला मा पा

कां वका नज रू प व म न प य पु दि ये नू प य व व ॥ ॐ आ ४ हू आ
का न जं जी न स मू डं रु इ य नी ॐ का न जं प व वा यू स्व हा वं ॥ प व ३
य हा का स्वा का न जं वा मू की स्व हा वं उ य वी स्व हा का न जं वी वी उ य
य माला न रू ल स्था का न न की ॥ ॐ का न जं नी ला दि पी छे जी का न जं
न की जी का न जं म ली ख का न जं मा न्नी रु का न जं सर्व व श्री को ॥

॥ ॥ उ वं नू धी न म ल्प मां स न का य नी रु म र्त्त व र्त्ति नी य हा का
दी वी रु य थ क मं पु या ग वा वा न सी न या ल व न लि न कं ॥ क
मा कू कू उ का मू नी लो न का म नू क ना स रु रु क दा न य रु प
क ल पू न का न जाले ध न ॥ माल रु लां रु द वी का रु ला क र्त्त
मा नू रु ध न अ रु हा स वी ल रु ना ज ग रु म हा य थ का ला प

ॐ कन २ कनू २ व न्ध २ शा स य २ भा रु य २ ऊं २ ह न २ हं २ रु दू २ द ह २ य क
२ रु क २ व स क नू धि ना क मा ला व ल म्बी न. ग रु २ स फ पा ना ल ग कः
ॐ रु ग. स र्प वा न क रू य २ आ क य २ ऊं २ ह २ आं २ हां २ ऊं २ की ती
२ मी ती २ धी नी २ हि नी २ हं हं रु दू रु दू स्वा हा ॥ ॥ ॐ ख २ स्वा हि २ स
व य रु ना रु स रु रु. पु रु पी भा वा त्मा ना य स्मा. ज क ज की त्या द य ॐ

मं व ली. ग रु नु स र्व सी द्धी भ पु य रु. य (थे व य (थे र्थ मी व नु जी पु र्थ
मा श्री कृ म र्थ भ म स र्व स त्वा नां व. स हा य का रु वं रु हं हं रु दू स्वा हा
॥ ॥ ॐ न्द्रा दि व जी स ह द व स धी नी मं व ग रु रु व ली वी भू रु अ नी
य मा ने म ल रु प नी श्र. आ प य नी वा य ध ना धी य श्र ॥ ॐ म नी रु ना
धी य नी श्र द वा. स उ र्ध व उा क पी का म ह श्र द वा स म ना रु वी रु व ना ग

धर्मश्चाहुममसर्व सनशा आकासश्चाहुयय्यवमानाः सर्व
जायगदभदीगलाकधाहु अननकगगल समुद्रयूह पुमन
समालाकपाला सर्व सखा ॥ रुधथा ॥ उं वजायूध मायावज
वहाननवजकालवजनाकसनागवज वजनीलवजरुयीनववज
लोशुवजकारवजकृशीवजपुहमोनवज यमवीपृथीदवजा

सपत्रीवानान् ॥ ॐ देव्युपदीपगन्धनेवशादि सैयूकबल्यम
हानसं पुनीकपयकुशली ममहिनग्वसुवह धनधन्ययोवना
प्राग्ध सकसुखायहानीकान् ॥ सर्वइक्षान् अन्त्याम्वमनूष्या ऊकय
रुक्मय २ माहय २ वीक्षसय २ दभाकनयावत्तममसर्वसखानाव
धनधन्ययोवना प्राग्ध सकसुखानी महासुख प्रवृधययावदावाधि

मधुपर्कनरोकय सत्सभनाभानीकनू नकांकनू हूं भ्रा४ सर्वइ
समूदाय रुजकभानी नकांकनू स्वाहा॥ ॥ ॐ भ्रा४ हूं हा ॐ हा
वल्ली रुख ॐ दंबली गन्धपूष्प धूप दीप चा कनू रुज ददाम्यहं
रुवागस्य स पनी वा नान्भी प्रं ॐ मं वली गुरु तु ४ गी हूं वी हा ४
सरुफान्मम सर्व सत्वा नो व भानींकनू पूकींकनू नकावन

ॐ श्रीं कूर्चकुंरुं रुंदुरुदुरुं आहूं स्वाहा ॥ ॐ
भावज महाका लाय यद्धमामन नरु का थ ॐ श्रीं कीं रूंदुरु
मथ मी स पूषधू पदीप गन्धनक पाकालनाल अक् नाग
दवय कु ना कु म गृहु गृहु व दी व सी हा हा हूं खख खाहि
खाहि खख लद व सी

हं जहं हं हं महा कृहा स. ग ऊं य ग ऊं क प्र व र्ह य ऊं हं हं हं हं
हा ॥ ॥ ॐ भ्रा ४ हं हं ४ ना ह का ला नी. व नु स र्प वृ द्ध म ह ल
मु क म ती भ न. व ह ल्प ती क रु ल्प ४ स प नी वा न ल ४. ५ दे व ती
ग न्ध. पू ष्प धू प दी पा ऊ न. द दा ती ही न वा ग ल्प. स प नी वा ना श
सी पुं मा ग ह् ४. ५ व ती ग ऊं ३. खा दं ३ मी व ३. ऊं हं वं हा स ह फा न व ३

हं न मा र ग व नः व ३ य न सा ण नः प र्द ना य त था ग
ग आ र नः स न्ध य स न्ध य ॥ त द था ॥ ॐ व ३ः वि द्वा
व ३ः म हा ग ना व ३ ॥ न हा वा वि द्वा प्र णं क म णी ॥ स व
के मा म्ब न हा वि ४ व न्ध खा दा

ಶ್ರೀ ೧೦೮ ಶ್ಲೋಕ

113

रुद्रस्वाहा॥ ॥ॐ हूं ह्रीं हूं वं कालवीरुकाकाकगृ (अलूक खानजम्
कमूरुव स्य ४ स य नी वा जी स्य ४ ॐ देवलीपूषाधू पदि य ग न्ध भूज
रुद्रदा मरु रु वा ग स्य स य नी वा नान् श्रीपुमाग रु २ खादनु
पी व नु सह फान् म म सर्व स स्वा ना व ३ आ नी कृ नू पू सीं कृ
नू न का कृ नू व ज ध न भ्रा ह्य य नी हूं हूं रुद्र रुद्र स्वाहा॥ ॥

ॐ ह्रीं नीलजी मूरु संका मं धाल ड ष्ट रुयान कं ड ड्व क म वि नू या
ऊ ऊ गु याल व ह रुद्र न व हिव त्ति यु की गृ रु २ रु न २ द ह २ य व २ ख र
खा हि २ रु २ रु २ वि प्र रु न व नू य न व ली ए कि गृ रु २ रु न २ ह्रीं हूं रुद्र
स्वाहा॥ ॥ॐ विप्रान्क का य महा का रा य महा व न य ना कु मा रु दं
व ली गृ रु २ व २ खा हि २ म म सर्व वि प्र ग भा न् रु द २ रु द २ रु रु २ द ह

२यच२मथ२३ं आविप्राक्तदृष्टंरुद्रस्वाहा॥ ॥ॐ नमो ब्रह्माय क
सावरासिक्तदयाय यनात्मासमविहाय ॥ ॐ भद्रके कमर्हय स
र्वसत्त्वानां इष्टवकनकात्री ॥ ॐ मं वली दिव्यगभनमायक उय
ॐ भद्रां मम सर्वसत्त्वानां मनूहनायां सग्यकी वा क्षो प्रकिष्टाय नाय
ॐ आ२सगकवज उयहा२दंरुद्रस्वाहा॥ ॥ॐ आ२दंरुद्रा२आकाशवा

यूक्तगुडकपृथ्वीवी आधियक स२ ॐ दं वली गृह्णतु स्वादनु पीवतु
जंरुं वं हा२ सरुफान मम सर्वसत्त्वानां व आनिपू सिं क नून जावन स
गुपिं कर्व उ२दंरुद्रवजधन आशाय यमिस्वाहा॥ ॥ॐ नमो सून
याय कथागताया रुद्र सग्यकी ब्रह्माय ॥ कथथा ॥ॐ सून२प्रसन२
रुन२उन२मन२संकपय२सर्वप्रकानास्वाहा॥ अयसननु अव

गायत्रिः ॥ ददाग्रहं सर्वलोकधाम उनीवासनां महाहा की
नीयुक्तानां हं हं स्वाहा ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वक्रि वायु नाकसचक्र सूर्य भगवत नाग एकानां सर्वकामा
व ॥ दं वली गुरु मुभी पुंरूल धूपदीप नैव आदि सर्वसत्त्वाना
वर हं हं हं स्वाहा ॥ ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

शासनकनाय सकलमात्रदीनाभाय. नृकसिद्धसुखसवयूष. नलभी
नत्मीरुदंबलो गृह २ मम सर्व विप्रग धान्नहन २ स्वयं ग्रीव २ म
हात्राष २ निवागय २ शासय २ शमय २ किन्द २ हिन्द २ नाभाय
२ कामय २ भाषय २ रुद २ रुद २ सर्वदूषतलान्न. मम सर्व विप्र
विनायकानां. रुस्मिन् नू २ रुद्र २ रुद्र स्वाहा ॥ ॥ नमः श्री नमः

बुद्धानां सफधर्मानां सफसधानां रुं सीकारुषु रुं सकल वि
मल रुं सुसंगी नड श्री यवकवर्हि सर्व मनु कर्म काउनकी लन
वामक रुं यनु कनु केन विद्रु क सर्व हिन्द २ हिन्द २ मिनि २ रुद्र
रुद्र २ स्वाहा ॥ ॥ रुं हावकी महाय की श्री. प्रीयकनी महाय रुं
सनायक य. यक पूष सप नी वा ना लां. महासर्वाना ना मनु. ध

नूधना सर्वा लीका नरुषीका प्रकीर्त्या यशुमेरु ॐ आ १ पूषा धूय
दीपगन्ध नेवद्य च पुधु यका कादि मम सर्वा यनी का नात्मा
पुर्ण गुरु २ स्व २ स्वाहि २ का यय २ हान की महा यज्ञ ली सर्वार्थ साध
नी दहि ॐ आ २ हूं हूं स्वाहा ॥ ॥ ॐ आर्य महा पुनी सना आर्य
महा साहसु यमद ली माहा मायूनी महा भीरु वनी महामनु

मान ली ॥ वृद्धा लब्धे व महा न्मान वीशाद वी महा वला मा म की
र कृटी ये व मा नाद वी कथा कृ ली ॥ वज्र संकल या ल्ब ना महा
लब्ध ना कथे व य महा काली च द्रु ति च वज्र द्रु ति कथा पना ॥ सुपा
भी वज्र पा ली च वज्र पा ति महा वला वज्र माला महा विद्या क
थे वा मृ ग कृ तु ली भ अ प ना जि ता महा द वी काल कर्त्री महा

वला कथा धन्या महा हाग। यत्त कृत्वा श्री भव वापूषादं नी मलीरु
ज। सर्व कभी वयो कला॥ महा कजा कथा देवी धन्या च वी घूला
सी नी। ना कृ से क रु का से व वृद्धा न की नी नाय का॥ का पा सी नी म
हा हाग। धन्या ले क ध्व नी कथा। अ न्या ध्व वह वा वी शा स खान ग
ह का नी नी॥ कथ था॥ उं का सी कला सी कृ हा शु। भं खि नी क म ला

की हा न की ह नी क भी य म इ नी य म ना क सी भव नी च रु क य स नी
य नी रु द ग ध्व पूषा ध्व दी य ने व श व सी च द दा स्मा सी न कां क न
क न म म सर्व स खाना य सर्व रु था य ड व ल्य ४ नी व रु व र्ष म नी य स
रु स न दा स नी सी ध्व रु म रु य द ल्य ४ खा हा॥ ॥ उं न मा ला क ना था
य॥ द वा ह न य रु ना क ला दि ही वे दी क था द यू र्मा अ म या दि स ही

ॐ पुवनवीनीक कायूही काय ॐ दं वली इर्गादि सहितं गुरु २
भी सच्च सत्त्वाना ३ ननकादि इह खाहा नय २ उच्चय २ सच्चय २
वृद्ध सत्य धर्म सत्य संध सत्य सत्य वादिनी सत्वन ३ आ ४
रुद्र स्वाहा ॥ ॥ धना खानजान ॥ गाय या य ॥ स ३ ग ३ ॥
की गत जान ॥ ॥ हाय हा ॥ लक वृद्धादि ॥ ॥ पुकर रुद्र मम

भवापर्व क क शु ल गु ह याम पाद १ ५ य ५ म न्याग न वी ॥ १ ५ ५
॥ रुद्र नोड महा नोड दं व द रु स मा भि ना रुद्र कला लवी रुत्ती
नंदा नी रु वी नाय का ॥ वाम नु धा न वी रुत्ती उ मा द वी रु सै रु वा
रु या च वी रु या वै व अजी ना अ प ना जी ना ॥ रुद्र काली महा
काली रुद्र काली व या गी नी ॐ द्या व द्दी ड की धा नी ल व

की डीद स सा नी ॥ का धा जा नी धी धी से न्या ग्रा मा व ली कः
धा गी नी. धा न नू धा म हा नू धा. डं क नू धा क धा ला नी ॥ क
धा ल ना नी ना नी न्या. ख धा ग म्भ मह डी का. ख मे ह का म
न म्भ ह का. व ड ह का ध नू क था ॥ प व ड की नी न हा क ल
म व का मा नू म्भ म नी १. धा ग म्भ ल म हा ना गी. व ड म्भ नी

पु रु क था ॥ क थ ग क म हा का य. नी नं जन धा ग म ली का. ॐ दे व
की ध नी आ हा. आ वा क त व स ला नां ॥ ॐ क क. के न न र व व
व न्न न र व र खा द न र म र ड क. पु र खा न. ह न र धा क य र दा
न य क ड था य ल. य धा न मी हि क कं कं रु र र खा ला ॥ ॥ ६
वा ल ना स र्ग ड क म्भ सी धा. ला का डे पु ना क र पू र ना. पु ग म्भ